अंक-योजना

अत्यंत गोपनीय

(केवल आंतरिक और प्रतिबंधित उपयोग के लिए)

वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय प्रमाणपत्र परीक्षा, **2025**

विषय-हिंदी (ऐच्छिक)

(प्रश्न-पत्र कोड **29**/6/1-3)

सामान्य निर्देश:-

1	आप जानते ही हैं कि परीक्षार्थियों के वास्तविक और सही मूल्यांकन में 'मूल्यांकन' सबसे महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी गलती भी गंभीर समस्याओं का कारण बन सकती है, जिसका प्रभाव परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा-प्रणाली और शिक्षण पर पड़ सकता है। आपसे अनुरोध है कि गलतियों से बचने के लिए मूल्यांकन शुरू करने से पहले 'मूल्यांकन दिशा-निर्देशों' को ध्यान से **अवश्य** पढ़ें, समझें और मूल्यांकन करते समय उनका पालन **अवश्य** करें।
2	"मूल्यांकन एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं की गोपनीयता से संबंधित है। किसी भी तरह से इसे सार्वजनिक करने से परीक्षा-प्रणाली पटरी से उतर सकती है और लाखों परीक्षार्थियों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकती है। इस नीति/दस्तावेज को किसी से भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट में छापना आदि बोर्ड और आईपीसी के विभिन्न नियमों के अंतर्गत कार्यवाही को आमंत्रित कर सकता है।"
3	मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया जाना चाहिए। इसे किसी की अपनी व्याख्या या किसी अन्य विचार के अनुसार नहीं किया जाना चाहिए। अंक-योजना का सख्ती से पूरी तरह पालन किया जाना चाहिए। मूल्यांकन करते समय, जो उत्तर नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित हैं, उनका सत्यता एवं प्रासंगिकता के आधार पर मूल्यांकन किया जाए। योग्यता-आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें और उचित अभिव्यक्ति पर उचित अंक दें।
4	अंक-योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझावात्मक बिंदु दिए गए हैं। ये केवल दिशा-निर्देश हैं।
5	प्रधान परीक्षक को पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा मूल्यांकित पहली पाँच उत्तर पुस्तिकाओं का पुनरावलोकन अवश्य करना चाहिए, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया गया है। यदि मूल्यांकन में कोई भिन्नता है तो विचार-विमर्श और चर्चा के बाद उसे दूर किया जाना चाहिए। मूल्यांकन के लिए शेष उत्तर पुस्तिकाएँ यह सुनिश्चित करने के बाद ही दी जाएँ।

6	मूल्यांकनकर्ता उत्तर सही होने पर सही (✓) का निशान लगाएँ, गलत उत्तर के लिए क्रॉस (**X**) का निशान लगाएँ। मूल्यांकन करते समय सही (✓) का निशान नहीं लगाने पर भ्रम की स्थिति उत्पन्न होती है और यह आभास होता है कि उत्तर सही है और कोई अंक नहीं दिया गया।
7	यदि किसी प्रश्न में उपभाग हैं तो प्रत्येक उपभाग के लिए दाईं ओर बिना घेरा लगाए अंक दें। प्रश्न के विभिन्न उपभागों पर दिए गए अंकों को जोड़कर बाएं हाथ के हाशिए में प्रश्न संख्या के समीप लिखकर घेरा लगाएँ। इसका सख्ती से पालन किया जाना चाहिए।
8	यदि किसी प्रश्न में कोई उपभाग नहीं है, तो बाईं ओर हाशिये में प्रश्न संख्या के समीप अंक दिए जाने चाहिए और घेरा लगाया जाना चाहिए।
9	यदि किसी परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न का उत्तर लिखा है तो अधिक अंक पाने वाले प्रश्न के उत्तर को ही स्वीकार किया जाना चाहिए तथा अन्य उत्तर पर 'अतिरिक्त प्रश्न' लिखकर काट दिया जाना चाहिए।
10	वर्तनी सम्बन्धी एक ही अशुद्धि के लिए बार-बार अंक न काटा जाए।
11	अंकों के पूरे पैमाने 0 से 80 अंक का उपयोग किया जाए। यथोचित उत्तर पर पूरे अंक देने में संकोच न करें।
12	प्रत्येक परीक्षक को अनिवार्य रूप से पूरे कार्यसमय अर्थात प्रतिदिन 8 घंटे मूल्यांकन कार्य करना होगा तथा मुख्य विषयों में प्रतिदिन 20 उत्तर पुस्तिकाओं तथा अन्य विषयों में प्रतिदिन 25 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होगा (विवरण दिशा-निर्देशों में दिया गया है)। यह पाठ्यक्रम में कमी तथा प्रश्न-पत्र में प्रश्नों की संख्या को ध्यान में रखते हुए किया गया है।
13	सुनिश्चित करें कि आप परीक्षक द्वारा अतीत में की गई निम्नलिखित सामान्य प्रकार की गलतियाँ न करें:- ● उत्तर पुस्तिका में उत्तर या उपभाग को बिना मूल्यांकन के छोड़ देना ● किसी उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना ● उत्तर पर दिए गए अंकों का गलत योग ● उत्तर पुस्तिका के अंदर के पृष्ठों से मुखपृष्ठ पर अंकों का गलत अंकन ● मुखपृष्ठ पर प्रश्न के अनुसार अंकों का गलत योग ● मुखपृष्ठ पर दो स्तंभों के अंकों का गलत योग ● गलत कुल योग ● शब्दों और अंकों में लिखे कुल योग का समान न होना ● उत्तर पुस्तिका से ऑनलाइन अंकतालिका में अंकों का गलत अंकन ● उत्तरों को सही के रूप में चिह्नित किया जाना लेकिन अंक न दिया जाना ● उत्तर का आधा या एक हिस्सा सही और बाकी को गलत चिह्नित करना लेकिन कोई अंक न देना

14	उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन के समय यदि उत्तर पूर्णतः गलत पाया जाए तो उस पर क्रॉस (X) का निशान लगाकर शून्य (0) अंक दिया जाना चाहिए।
15	मूल्यांकन न किया गया कोई भी भाग, मुखपृष्ठ पर अंकन न होना या बाद में प्रकट हुई कोई भी त्रुटि मूल्यांकन कार्य में लगे सभी कर्मियों और बोर्ड की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचाएगी इसलिए सभी संबंधितों की प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए यह फिर से दोहराया जाता है कि निर्देशों का सावधानीपूर्वक और विवेकपूर्ण तरीके से पालन किया जाना चाहिए।
16	परीक्षकों को वास्तविक मूल्यांकन शुरू करने से पहले मूल्यांकन के लिए दिए गए दिशानिर्देशों से परिचित होना चाहिए।
17	प्रत्येक परीक्षक यह भी सुनिश्चित करेगा कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया गया है, अंक मुखपृष्ठ पर अंकित किए गए हैं, अंकों का सही योग किया गया है तथा कुल योग को मुखपृष्ठ और लिखे गए अंतिम पृष्ठ पर अंकों और शब्दों में सही लिखा गया है।
18	परीक्षार्थी निर्धारित प्रोसेसिंग फीस का भुगतान करके अनुरोध पर उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने के हकदार हैं। सभी परीक्षकों/अतिरिक्त प्रधान परीक्षकों/प्रधान परीक्षकों को एक बार फिर याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि मूल्यांकन प्रत्येक उत्तर के लिए अंकयोजना में दिए गए मूल्य बिंदुओं के अनुसार सख्ती से किया गया है।

Series: ZW6YX प्रश्न-पत्र कोड - **29/6/1**,2,3

अंक-योजना 2024-25

हिंदी (ऐच्छिक)

निर्धारित समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक* : 80

प्रश्न सं.	**प्रश्न-पत्र कोड**			**उत्तर-संकेत बिंदु**	**अंक**
				खंड - क **(अपठित बोध)**	**18**
	29/**6/1**	29/**6/2**	29/**6/3**		
1	**1**	**1**	**2**	अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर:-	**10**
	(i)	(ii)	(i)	(B) उम्रदराज लोगों की संख्या बढ़ रही है	1
	(ii)	(iii)	(ii)	(A) पचास वर्ष से ऊपर की आबादी	1
	(iii)	(i)	(iii)	(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।	1
	(iv)	(iv)	(iv)	उम्रदराज लोगों की संख्या बढ़ना और जन्म-दर में गिरावट	1
	(v)	(vi)	(v)	• प्रवासन • अपने जन्मस्थान से कारोबारी क्षेत्र में जाना और श्रम करना • राजनीतिक मसला बनना	2

	(vi)	(vii)	(vi)	• उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में वृद्धि • स्वास्थ्य सेवाओं पर खर्च में कमी	2
	(vii)	(v)	(vii)	• दिमागी सक्रियता का व्यक्ति को सामाजिक, सक्रिय और सकारात्मक बनाना • सकारात्मक सोच का शरीर पर सकारात्मक प्रभाव डालने से व्यक्ति का स्वस्थ रहना	2
2	2	2	1	अपठित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर :	**8**
	(i)	(iii)	(i)	(C) केवल III	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(A) कथन सही है, किंतु कारण गलत है। (D) कथन और कारण दोनों सहीं हैं, किंतु कारण, कथन की उचित व्याख्या नहीं करता है। (दोनों विकल्प सही हैं)	1
	(iii)	(i)	(iii)	(D) लोग पड़ोस के सुख-दुख के प्रति उदासीन और अनजान बन चुके हैं।	1
	(iv)	(iv)	(iv)	• सामान को ध्यान से ले जाने/एतिहात बरतने, सामान की देखरेख के लिए/सुरक्षा की दृष्टि से।	1
	(v)	(vi)	(v)	• पड़ोसियों के बारे में कुछ पता न होना • एक-दूसरे के सुख-दुःख से अनजान रहना। कोई भी उपयुक्त उदाहरण स्वीकार्य	2
	(vi)	(v)	(vi)	• पड़ोस से कोई मतलब न रखना • आधुनिक एकाकी जीवन-शैली • बढ़ता मोबाइल का प्रयोग • समय का अभाव	2

				(अन्य उपयुक्त दृष्टान्त स्वीकार्य)	
				खंड-ख **(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित)**	**22**
3 	**3** (क) (ख) (ग)	**3** (क) (ग) (ख)	**3** (क) (ख) (ग)	प्रश्नों के अपेक्षित उत्तर : ● स्थायित्व ● समय और सुविधानुसार पढ़ने की सुविधा ● चिंतन और विश्लेषण का माध्यम **क्षेत्र--** आर्थिक, खेल, मनोरंजन, राजनीति, अपराध, पर्यावरण आदि विशेषज्ञता— ● विषय विशेष में रुचि और ज्ञान ● विषय विशेष से संबंधित पुस्तकों का अध्ययन ● क्षेत्र विशेष से स्वयं को अपडेट रखना (अपनी पसंद के किन्हीं दो क्षेत्रों का उल्लेख) ● प्रारंभ आकर्षक और उत्सुकतापूर्ण ● प्रारंभ, मध्य और अंत में पारस्परिक संबंध ● विषय और विचारों में तारतम्यता ● फोटो, रेखांकन और ग्राफिक्स	1 2 2
4	4			किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों मे : (क) समानताएँ :- ● आम बोलचाल की भाषा ● सरल, संप्रेषणीय और प्रभावी भाषा भिन्नताएँ :- ● रेडियो की भाषा- शैली का आधार ध्वनि और शब्द जबकि टेलीविज़न में ध्वनि और शब्दों के साथ दृश्यों का समायोजन	**3 x 2** **= 6**

इंटो या मखडा

		4		(ख)उल्टा पिरामिड शैली 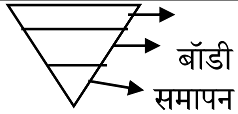 ● समाचार लेखन की लोकप्रिय, बुनियादी और उपयोगी शैली। ● **इंट्रो या मुखड़ा**:-महत्वपूर्ण तथ्यों, सूचनाओं, घटनाओं को सबसे पहले लिखना ● **बॉडी:-**कैसे और क्यों का विश्लेषण ● **समापन:-**सबसे कम महत्त्व की बात सबसे आखिर में (ग) ● खेलों के विषय में विधिवत अध्ययन कर विशेष ज्ञान से सम्पन्न होकर। ● खेलों के क्षेत्र में नित नए अध्ययन, शोध, नियमों से जुड़कर ● खेल की तकनीक, उसके नियमों और उसकी बारीकियों से भलीभांति परिचित होना (अन्य स्वतंत्र बिंदु भी स्वीकार्य) (क) ● प्रिंट मीडिया, रेडियो, टेलीविज़न, इंटरनेट (कोई तीन बिंदु) ● प्रिंट - स्थायित्व, समय और सुविधानुसार पढने की सुविधा ● रेडियो- श्रव्य माध्यम, साक्षर और निरक्षर दोनों के लिए लाभकारी ● टेलीविज़न – दृश्य-श्रव्य माध्यम, देखकर घटनाक्रम और स्थितियों का बेहतर आकलन	

			4	● इंटरनेट—ख़बरों को पढने, सुनने और देखने तीनों की सुविधा, ख़बरों का सत्यापन और पुष्टिकरण संभव (ख) ● क्या, कौन, कहाँ, कब, क्यों, कैसे **महत्त्व :-** ● सूचनात्मक और तथ्यात्मक- क्या, कौन, कहाँ, कब, ● विवरणात्मक और व्याख्यात्मक-- क्यों, कैसे ● इन्हीं से मिलकर समाचार बनना (ग) ● **विशेष संवाददाता**:-विशेषीकृत रिपोर्टिंग करने वाला रिपोर्टर ● **कार्य** – अपने क्षेत्र से जुड़ी घटनाओं, मुद्दों और समस्याओं का बारीकी से विश्लेषण कर पाठकों के सामने प्रस्तुत करना (क) ● भाषा, व्याकरण, वर्तनी और शैली का ध्यान ● प्रचलित भाषा का प्रयोग ● समय-सीमा और आवंटित जगह का पालन ● ग़लतियों, अशुद्धियों को प्रकाशन पूर्व ठीक करना ● प्रस्तुति में तारतम्यता बनाए रखना (कोई तीन बिंदु अपेक्षित) (ख) ● सुव्यवस्थित, सृजनात्मक और आत्मनिष्ठ:- इन तीन बिंदुओं का होना अनिवार्य ● तथ्यों, सूचनाओं और विचारों पर आधारित कथात्मक विवरण	

				● भाषा-सरल, रूपात्मक एवं आकर्षक ● भावनाओं और विचारों का सम्यक प्रयोग (कोई तीन बिंदु) (ग) ● रुचि और योग्यता के आधार पर संवाददाताओं के बीच कार्यक्षेत्र का बँटवारा विशेष तैयारी का महत्व – ● समाचार की विश्वसनीयता और वैधता ● विशेष क्षेत्र में रुचि का परिष्कार और विशेषज्ञता का लाभ ● बीट मिलने के पश्चात् की गई तैयारियों से विशेषज्ञ बनने की राह में सफलता की सम्भावना (कोई दो बिंदु)	
5	5	5	5	**एक** विषय पर लगभग 100 शब्दों में रचनात्मक लेखन • विषयवस्तु : 3 अंक • भाषा : 1 अंक • प्रस्तुति : 1 अंक	**5**
6	6 (क) (ख)	6 (ग) (क)	6 (क) (ख)	किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में : **पहला मत:-** • कविता लेखन की कला सिखाई या बताई नहीं जा सकती क्योंकि काव्य नैसर्गिक भावाभिव्यक्ति का परिणाम है। **दूसरा मत:-** • काव्य लेखन प्रशिक्षण से सिखाया जाना संभव। दूसरे भाग के लिए मुक्त उत्तर • नाटक एक दृश्य काव्य जिसकी सफलता मंचन पर ही निर्भर, मंच पर प्रस्तुति सदा वर्तमान में	**3 x 2 = 6**

	(ग)	(ख)	(ग)	• दर्शक का वर्तमान में उपस्थित होना • प्रेक्षक को घटना से अवगत कराना • जैसे 'अंधा युग' (उदाहरण स्वतंत्र हो सकते हैं) • कहानी की रोचकता – कथानक और उसमें प्रयुक्त देशकाल, वातावरण, स्थान, पात्र, संवाद आदि से संभव • कथानक में द्वंद्व और क्लाइमेक्स/चरम उत्कर्ष का ध्यानपूर्वक चित्रण कहानी की रोचकता के लिए आवश्यक (किसी भी कहानी का उदाहरण स्वीकार्य)	
				खण्ड ग (पाठ्य-पुस्तकों अंतरा तथा अंतराल पर आधारित)	**40**
7	7 (i) (ii) (iii) (iv) (v)	7 (v) (iv) (i) (ii) (iii)	7 (iv) (iii) (v) (i) (ii)	पठित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर : (A) राम-वनगमन के बाद माँ कौशल्या की विरह वेदना (D) कथन सही है, किंतु कारण कथन की उचित व्याख्या नहीं करता है । (C) केवल II और III दोनों (B) उल्लास और प्रसन्नता के चरम उत्कर्ष में अचानक दुःख का स्मरण हो आना (D) चित्र के समान स्थिर और अवाक् खड़ी रह जाती हैं ।	**1 x 5 = 5**
8	8			काव्यखंड पर आधारित किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में अपेक्षित :- (क) ● दोनों के प्रिय परदेस	**2 x 2 = 4**

				● ऋतु परिवर्तन से दोनों की विरह की वेदना का तीव्र होना ● विरह वेदना से परिपूर्ण ● प्रिय वियोग में दोनों का कृशकाय होना (ख) ● ऋतु परिवर्तन का बोध अनुभव के बजाय कैलेंडर से होना ● प्रकृति से नाता टूटना ● प्रकृति के साथ अंतरंगता का अभाव (कोई दो बिंदु/अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) (ग) ● अभिमानिनी नायिका ● घनानंद के प्रेम की उपेक्षा ● प्रेम के महत्त्व को न समझने वाली ● कठोर हृदय (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य/कोई दो बिंदु)	
		8		(क) ● प्रेम का प्रतिदान न मिलना ● अंतहीन प्रतीक्षा करना ● असमय बन्धु-बांधवों का बिछोह ● जीवन की अभिलाषाओं का अपूर्ण रहना ● जीवन की सांध्य-बेला तक किसी सुख की प्राप्ति नहीं (कोई दो बिंदु/अन्य बिंदु भी स्वीकार्य) (ख) ● समाज के झूठे बंधन ● कुरीतियों -रूढ़ियों के बंधन तोड़ने की बात; ● धरती में उर्वरता, कोमलता और रस का भाव	

				(ग) **नायिका की दशा :** ● विरह में संतप्त ● प्रिय की प्रतीक्षा में कृशकाय ● नायक के प्रति पूर्ण समर्पणभाव ● प्रेम में पूरी तरह डूबी हुई **भाव:-** नायिका के प्रति संवेदना और सहानुभूति	
			8	(क) ● विवाह के समय पुत्री के सौन्दर्य में पत्नी के सौन्दर्य की झलक ● अपने युवावस्था के प्रेम का स्मरण हो आना ● पत्नी के साथ अनुराग और श्रृंगार के गीतों का स्मरण (ख) ● कृष्ण का गोकुल छोड़कर मथुरा चले जाना ● श्रीकृष्ण के साथ नायिका के मन का चला जाना ● लोगों का मन हर लेने की बात पर विश्वास न करना (ग) ● बनारस की आध्यात्मिकता से कवि को प्रेम ● बनारस की परंपरा में विश्वास ● उसकी आध्यात्मिकता और आधुनिकता को अलग अलग दृष्टि से देखना ● बनारस की कमियों में भी सौन्दर्यात्मक अभिव्यक्ति	
9	**9**	**9**	**9**	किसी एक काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या : • संदर्भ : 1 अंक (कवि और कविता का नाम) • प्रसंग : 1 अंक (पूर्वापर संबंध)	**6**

				• व्याख्या : 3 अंक • विशेष : 1 अंक (क) कवि: सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' कविता: यह दीप अकेला **अथवा** (ख) कवि: मलिक मुहम्मद जायसी कविता: बारहमासा	
10	**10** (i) (ii) (iii) (iv) (v)	**10** (iii) (v) (ii) (i) (iv)	**10** (iii) (v) (ii) (i) (iv)	पठित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित : (C)उसके मन में फ़सल के बंटवारे को लेकर साफगोई नहीं थी। (B)प्रभुत्वशाली वर्ग का (C)कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की उचित व्याख्या करता है। (A)फसल नहीं बँटी, हाथी ने पूरी फ़सल पर कब्जा कर लिया। (C) I और II दोनों	**1 x 5 = 5**
11	 **11**			गद्य खंड में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में अपेक्षित :- (क) ● प्रतिकूल परिस्थितियों में भी अपराजित ● धधकती लू में भी हरा-भरा ● कठोर पाषाण की कारा से रस खींचने वाला ● सूने गिरि-प्रान्तर में भी प्रसन्न ● जीवन-शक्ति से ओत-प्रोत (ख) विकास की आधुनिक परिकल्पना- औद्योगीकरण का विकास ● औद्योगीकरण से विस्थापन की समस्या बढ़ना	**2 x 2 = 4**

				● खनन के कारण प्रकृति का विनाश ● पारिस्थितिकीय असंतुलन (ग) ● संभव द्वारा लड़की का नाम 'पारो' सुनकर मजाक में अपने नाम के साथ देवदास जोड़ना ● 'देवदास' शरतचंद्र की प्रसिद्ध साहित्यिक कृति है । उसमें नायिका पारो और नायक देवदास है ।	
		11		(क) ● औद्योगीकरण के कारण विस्थापित हुए सिंगरौली के लोगों को ● अपनी जड़-जमीन, परिवेश और आवास स्थल से हमेशा के लिए दूर हो जाना (ख) ● निष्पक्ष और तटस्थ रहकर उसी भाव के साथ संवाद सुनाना ● दूसरे हिस्से के लिए स्वतंत्र उत्तर (ग) ● सुरक्षा और अत्यधिक प्रेम के कारण ● संभव के अनमनेपन और खीझ के कारण पक्ष:- ● बुजुर्गों का स्वाभाविक व्यवहार ● युवाओं की चिंता भी बच्चों की तरह करना	
			11	(क) ● लेखक के समाज में उर्दू भाषी लोगों की बहुलता ● सामान्य बोलचाल की भाषा में भी उर्दू मिश्रित बोलियाँ प्रचलित	

				● लेखक तथा उनकी मंडली द्वारा तत्सम प्रधान हिंदी का प्रयोग दूसरे हिस्से के लिए स्वतंत्र उत्तर (ख) **बर्ताव:-** ● जरूरी मीटिंग छोड़ उसके पास जाना ● उसे सांत्वना देना ● बच्चे के साथ आत्मीयता की भावना **विशेषताएँ :-** ● सरल और सहज व्यवहार ● दया और सहानुभूति का भाव ● परोपकारिता ● साधारण, सामान्य लोगों की परवाह करने वाला अन्य उचित बिंदु भी स्वीकार्य (ग) **दुष्परिणाम:-** ● विस्थापन की समस्या ● पारिस्थितिकीय असंतुलन ● खनन के कारण प्रकृति का विनाश **उपाय:-** ● प्रकृति और मनुष्य के साहचर्य को बढ़ावा देना ● प्राकृतिक संपदा का संरक्षण अन्य उचित बिंदु भी स्वीकार्य	
12	**12**	**12**	**12**	किसी एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या : • संदर्भ : 1 अंक (पाठ व लेखक का नाम) • प्रसंग : 1 अंक (पूर्वापर संबंध) • व्याख्या : 3 अंक	**6**

				• विशेष : 1 अंक (क) लेखक: चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी' पाठ: सुमिरिनी के मनके (घड़ी के पुर्जे) **अथवा** (ख) लेखक: हजारीप्रसाद द्विवेदी पाठ: कुटज	
13	**13**			किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में : (क) **कैसे:-** ● तालाबों और बावड़ियों को नुकसान पहुँचाकर ● उनको पाट कर, उन पर कंक्रीट के जंगल बनाकर ● उनको गाद से भर, जमीन के भीतरी पानी का दोहन कर क्यों:- ● आधुनिक इंजीनियरों द्वारा परंपरागत प्रणाली व ज्ञान की अपेक्षा स्वयं को श्रेष्ठ समझना ● आधुनिक ज्ञान की तुलना में परंपरागत ज्ञान की अवहेलना (ख) भैरों की **कारण:-** ● सुभागी को बहकाने का शक होने के कारण ● ईर्ष्या भाव के कारण ● सामाजिक अपमान का बदला लेने हेतु ● सूरदास को सबक सिखाने हेतु	**5 x 2 = 10**

				दूसरे हिस्से का स्वतंत्र उत्तर (ग) ● अतीत से जुड़े रहना: मानव का प्राकृतिक स्वभाव ● बचपन की स्मृतियों की लेखक के मन पर अमिट छाप ● गाँव और बचपन की स्मृतियों से लेखक का गहरा जुड़ाव ● गाँव के नैसर्गिक सौन्दर्य से अभिभूत ● गाँव का रूप, रस और गंध वर्तमान जीवन के सेतु **उदाहरण:-** ● बतख के कार्यव्यवहार को देखकर माँ और बच्चे के आत्मीय संबंधों का बोध (अन्य स्वतंत्र उपयुक्त उदाहरण स्वीकार्य)	
		13		(क) ● झोपड़ी में आग लगने की खबर पाकर सूरदास को सांत्वना देने हेतु **क्यों:-** ● जगधर से भैरों द्वारा झोपडी में आग लगाने और पैसों की पोटली चोरी करने की बात सुनकर ● सूरदास को पोटली वापस दिलाने का निश्चय **चारित्रिक विशेषताएँ:-** ● स्वाभिमानी ● दृढ़प्रतिज्ञ, निडर और साहसी ● कृतज्ञ ● सत्य की पक्षधर	

				(ख) **चारित्रिक विशेषताएँ:-** ● गाँव के प्रति प्रेम ● संवेदनशील ● सौन्दर्य-बोध ● सूक्ष्म-पर्यवेक्षण दृष्टि ● चारित्रिक तुलनात्मक विवेक **बचपन का प्रभाव:-** ● बचपन की स्मृतियों की लेखक के मन पर अमिट छाप ● गाँव और बचपन की स्मृतियों से लेखक का गहरा जुड़ाव ● गाँव के नैसर्गिक सौन्दर्य से अभिभूत ● गाँव का रूप, रस और गंध वर्तमान जीवन के सेतु (ग) ● आज की तुलना में मालवा में पहले अधिक पानी बरसना ● जल से भरपूर कुएँ-बावड़ी/तालाब-तलैया/नदी-नालों का गाद से भर जाना ● बारहमासी नदियों का चौमासी नदियों में बदल जाना **उत्तरदायी तत्व-** ● प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन ● बढ़ता औद्योगीकरण ● हानिकारक गैसों का अधिक उत्सर्जन ● प्रकृति से छेड़छाड़	

			13	• पारम्परिक ज्ञान की उपेक्षा (अन्य स्वतंत्र बिंदु भी स्वीकार्य) (क) • जब राख छानते-छानते रुपयों की पोटली न मिलना • उसकी सारी अभिलाषाओं का राख हो जाना **विशेषताएँ :-** • दुःख का अतिरेक होने पर मानव का टूट जाना • निराशा का घेर लेना • हतोत्साहित हो जाना • सब कुछ समाप्त हो जाने का भाव पैदा हो जाना (ख) • अतीत से जुड़े रहना: मानव का प्राकृतिक स्वभाव • बचपन की स्मृतियों की लेखक के मन पर अमिट छाप • गाँव और बचपन की स्मृतियों से लेखक का गहरा जुड़ाव • गाँव के नैसर्गिक सौन्दर्य से अभिभूत • गाँव का रूप, रस और गंध वर्तमान जीवन के सेतु **उदाहरण:-** • बतख के कार्यव्यवहार को देखकर माँ और बच्चे के आत्मीय संबंधों का बोध (अन्य स्वतंत्र उपयुक्त उदाहरण स्वीकार्य) (ग)	

				पहले:- ● बरसात के महीनों में नदियों का जलस्तर बढ़ना ● क्वार के महीने में उजली चटक धूप का निकलना **वर्तमान:-** ● नदियों का जलस्तर घट जाना ● सदानीरा नदियों का चौमासी नदियों में परिवर्तित होना ● पर्यावरण का प्रदूषित होना **कारण:-** ● प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन ● बढ़ता औद्योगीकरण ● हानिकारक गैसों का अधिक उत्सर्जन ● प्रकृति से छेड़छाड़ ● पारम्परिक ज्ञान की उपेक्षा (अन्य स्वतंत्र बिंदु भी स्वीकार्य)	